पाठ – माँ, कह एक कहानी

कविता का सार

यह कविता **माँ यशोधरा और उनके बेटे राहुल की बातचीत की कहानी** है। राहुल माँ से कहानी सुनाने की ज़िद करता है। माँ उसे एक खास कहानी सुनाती है जिसमें राहुल के पिता सिद्धार्थ एक घायल हंस को बचाते हैं। एक शिकारी हंस को लेना चाहता है, लेकिन सिद्धार्थ उसे बचाने की ठान लेते हैं। दोनों में बहस होती है और मामला न्यायालय तक जाता है। माँ राहुल से पूछती है कि वह क्या फैसला करेगा। राहुल कहता है कि जो **निर्दोष को मारता** है, उसे रोकना चाहिए और जो बचाता है, उसकी मदद करनी चाहिए। यह कविता हमें दया, करुणा और सही फैसला लेने की सीख देती है। यह हमें बताती है कि हमें हमेशा दूसरों की मदद करनी चाहिए और अच्छा काम करना चाहिए।

कविता

1. "माँ, कह एक कहानी।"
"बेटा, समझ लिया क्या तूने
मुझको अपनी नानी?"
"कहती है मुझसे यह चेटी,
तू मेरी नानी की बेटी!
कह माँ, कह, लेटी ही लेटी,
राजा था या रानी ?
राजा था या रानी ?
माँ, कह एक कहानी।"
"तू है हठी मानधन मेरे,
सुन, उपवन में बड़े सबेरे,
तात भ्रमण करते थे तेरे,

शब्दार्थ :

1.	चेटी	–	दासी / सेविका
2.	हठी	–	ज़िद्दी
3.	मानधन	–	प्रतिष्ठा ही जिसका धन हो
4.	उपवन	–	बाग
5.	तात	–	पिता
6.	भ्रमण	–	घूमना

प्रसंग:- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मल्हार – 7 में संकलित कविता 'माँ, कह एक कहानी' से लिया गया है। इसके रचयिता राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त हैं। इस पद्यांश में बालक राहुल अपनी माँ से एक कहानी सुनाने की ज़िद करते हैं और माँ पुत्र को कहानी सुना रही हैं।

व्याख्या:- राहुल अपनी माँ यशोधरा से एक कहानी सुनाने की ज़िद करता है। घरों में आमतौर पर नानी या दादी ही बच्चों को कहानी सुनाती हैं, इसलिए यशोधरा मुस्कराते हुए कहती हैं – "क्या तुमने मुझे अपनी नानी समझ लिया है जो मैं तुम्हें कहानी सुनाऊँ?"

इस पर राहुल प्यार से हठ करता है और कहता है – "तुम नानी तो नहीं हो, लेकिन मेरी नानी की बेटी हो। ज़्यादा मेहनत मत करो, बस लेटे-लेटे मुझे कोई कहानी सुना दो – राजा या रानी की कोई भी कहानी चलेगी माँ।"

तब यशोधरा राहुल को उसके पिता की ज़िंदगी की एक सच्ची घटना सुनाने लगती हैं। वह कहती हैं – "मेरे प्यारे ज़िद्दी बेटे! सुनो, यह बात उस समय की है जब तुम्हारे पिता सुबह-सुबह बगीचे में सैर कर रहे थे..."

2. जहाँ, सुरभि मनमानी।"
"जहाँ सुरभि मनमानी?
हाँ, माँ, यही कहानी।"
"वर्ण वर्ण के फूल खिले थे,
झलमल कर हिम-बिंदु झिले थे,
हलके झोंके हिले-मिले थे,
लहराता था पानी।"
"लहराता था पानी ?
हाँ, हाँ, यही कहानी ।"
"गाते थे खग कल कल स्वर से,
सहसा एक हंस ऊपर से,
गिरा, बिद्ध होकर खर – शर से,

शब्दार्थ :

1. सुरभि – सुगंध
2. वर्ण – रंग
3. हिम-बिंदु – ओस के कण
4. झिले – झिलमिलाते
5. बिद्ध – बिंधा या छेदा हुआ
6. खर-शर – तेज़ धार वाला बाण (शर)

प्रसंग:- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मल्हार – 7 में संकलित कविता 'माँ, कह एक कहानी' से लिया गया है। इसके रचयिता राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त हैं। प्रस्तुत पंक्तियों में उपवन के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन करते हुए एक घायल हंस के गिरने का करुण वर्णन किया गया है।

व्याख्या:- यशोधरा अपने बेटे से कहती हैं – "जब तुम्हारे पिता सुबह-सुबह बगीचे में टहल रहे थे, तब वहाँ चारों ओर फूलों की भीनी-भीनी खुशबू फैली हुई थी।"
यह सुनकर राहुल खुश होकर बोलता है – "हाँ माँ, मुझे यही कहानी सुननी है।"
माँ आगे बताती हैं – "उस बगीचे में रंग-बिरंगे फूल खिले थे। उन पर ओस की बूँदें चमक रही थीं। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी और बगीचे के तालाब में पानी हिलोरें ले रहा था।"
राहुल फिर खुश होकर कहता है – "माँ, यही कहानी मुझे सुननी थी।"
माँ आगे बताती हैं – "पंछी खुशी-खुशी मीठा गा रहे थे। तभी अचानक एक घायल हंस ऊपर से गिरा। उसके शरीर में एक तेज़ बाण लगा था और वह खून से सना हुआ था। वह तड़प रहा था।"

3. हुई पक्ष की हानी !"
"हुई पक्ष की हानी ?
करुणा-भरी कहानी!'
"चौंक उन्होंने उसे उठाया,
नया जन्म-सा उसने पाया।
इतने में आखेटक आया,
लक्ष्य-सिद्धि का मानी।"
"लक्ष्य-सिद्धि का मानी ?
कोमल-कठिन कहानी।"

शब्दार्थ :

1. पक्ष – पंख
2. करुणा-भरी – दुखभरी

3. आखेटक – शिकारी
4. सिद्धि – सफलता

प्रसंग:- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मल्हार – 7 में संकलित कविता 'माँ, कह एक कहानी' से लिया गया है। इसके रचयिता राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त हैं। इन पंक्तियों में सिद्धार्थ द्वारा घायल हंस को उठाने तथा आखेटक के आने का वर्णन है।

व्याख्या:- पक्षी को तीर लगा था और वह बहुत दर्द में तड़प रहा था। यह सुनकर राहुल की आँखों में करुणा आ जाती है। वह कहता है – "माँ, यह तो बहुत ही दुखभरी कहानी है।"
माँ आगे कहती हैं – "जब तुम्हारे पिता ने घायल पक्षी को देखा तो वे चौंक गए। उन्होंने तुरंत उसे उठाया, अपनी गोद में प्यार से रखा और धीरे-धीरे सहलाने लगे। पक्षी को ऐसा लगा जैसे वह अब सुरक्षित है, जैसे उसे दोबारा जीवन मिल गया हो।"
तभी वहाँ वह शिकारी आ गया जिसने उस पक्षी पर तीर चलाया था। वह बोला – "मैंने ही इसे निशाना बनाकर तीर चलाया है। मेरा तीर सही जगह लगा और मैं सफल हुआ हूँ।"
उस शिकारी को अपने शिकार पर बहुत घमंड था। यह पूरी कहानी कोमलता (दया) और कठोरता (निर्दयता) दोनों भावनाओं को दिखाती है।

4. "माँगा उसने आहत पक्षी,
तेरे तात किंतु थे रक्षी।
तब उसने, जो था खगभक्षी-
हठ करने की ठानी।"
"हठ करने की ठानी?
अब बढ़ चली कहानी।"

"हुआ विवाद सदय – निर्दय में,
उभय आग्रही थे स्वविषय में,
गई बात तब न्यायालय में,
सुनी सभी ने जानी।"
"सुनी सभी ने जानी ?
व्यापक हुई कहानी।"

शब्दार्थ :

1. आहत – घायल
2. रक्षी – रक्षा करने वाला
3. खगभक्षी – पक्षी को मारनेवाला
4. ठानी – निश्चय कर लेना
5. सदय – दयावान
6. उभय – दोनों
7. आग्रही – आग्रह करने वाला
8. व्यापक – फैला हुआ

प्रसंग:- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मल्हार – 7 में संकलित कविता 'माँ, कह एक कहानी' से लिया गया है। इसके रचयिता राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त हैं। प्रस्तुत पंक्तियाँ आखेटक द्वारा सिद्धार्थ के हाथों से घायल पक्षी को लेने की चेष्टा में करुणा और क्रूरता के बीच के संघर्ष को व्यक्त करती हैं।

व्याख्या:- शिकारी ने घायल पक्षी को अपना बताया क्योंकि उसने ही तीर मारकर उसे गिराया था। लेकिन तुम्हारे पिता उस पक्षी के रक्षक बन गए। उन्होंने उसे शिकारी को देने से मना कर दिया।

यह सुनकर शिकारी ज़िद करने लगा।
राहुल उत्सुक होकर बोल पड़ा – "माँ, उसने ज़िद की?"
माँ मुस्कराकर कहानी आगे बढ़ाती हैं – "हाँ बेटा, शिकारी ज़ोर देकर पक्षी को माँगने लगा। फिर दयालु (तुम्हारे पिता) और निर्दयी (शिकारी) के बीच बहस होने लगी। दोनों ही अपने-अपने पक्ष में तर्क दे रहे थे।"
धीरे-धीरे यह बात बढ़ती गई और आखिरकार न्याय का फैसला लेने के लिए मामला राजा के दरबार तक पहुँच गया। अब यह कहानी पूरे राज्य में फैल गई और सबको इसके बारे में पता चल गया।

5. "राहुल, तू निर्णय कर इसका –
न्याय पक्ष लेता है किसका?
कह दे निर्भय, जय हो जिसका।
सुन लूँ तेरी बानी।'
"माँ, मेरी क्या बानी ?
मैं सुन रहा कहानी।
कोई निरपराध को मारे,
तो क्यों अन्य उसे न उबारे ?
रक्षक पर भक्षक को वारे,
न्याय दया का दानी! "
'न्याय दया का दानी ?
तूने गुनी कहानी।

शब्दार्थ :

1. निर्णय – फ़ैसला
2. निर्भय – बिना डरे
3. बानी – बात, आवाज़, विचार
4. निरपराध – जिसने कोई अपराध न किया हो
5. उबारे – बचाना
6. रक्षक – रक्षा करने वाला
7. भक्षक – मारने / खाने वाला
8. गुनी – समझी

प्रसंग:- प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मल्हार – 7 में संकलित कविता 'माँ, कह एक कहानी' से लिया गया है। इसके रचयिता राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त हैं। प्रस्तुत पंक्तियों में माँ अपने पुत्र के विचार जानना चाहती है कि न्याय किसके पक्ष में होना चाहिए।

व्याख्या:- यशोधरा अपने बेटे राहुल से कहती हैं – "अब तुम फैसला करो कि सही किसका पक्ष है। बिना डरे अपने मन की बात कहो। तुम्हें क्या लगता है – जीत किसकी होनी चाहिए? मैं तुम्हारे मुँह से तुम्हारा जवाब सुनना चाहती हूँ।"
राहुल थोड़ा सोचकर कहता है – "माँ, मैं तो इसे कहानी की तरह सुन रहा हूँ। लेकिन इतना ज़रूर कहूँगा कि अगर कोई किसी को बिना वजह मारता है, तो क्या कोई उसकी रक्षा नहीं करेगा? जो बचाता है, वह मारने वाले से बड़ा होता है। न्याय हमेशा दया के साथ खड़ा होता है।"
राहुल की बात सुनकर माँ मुस्कराती हैं और कहती हैं – "अब मुझे समझ में आ गया है कि तुमने यह कहानी अच्छे से समझ ली है, और तुम इसके अच्छे गुणों को अपने जीवन में भी अपनाओगे।"

egyanarchive

माँ, कह एक कहानी- मुख्य विषय

कविता माँ, कह एक कहानी का मुख्य विषय है **करुणा, न्याय और नैतिकता**। यह माँ (यशोधरा) और बेटे (राहुल) के बीच संवाद के माध्यम से एक कहानी प्रस्तुत करती है, जिसमें एक घायल हंस की रक्षा को लेकर करुणा और हिंसा के बीच टकराव दिखाया गया है। कविता बच्चों को सही-गलत की समझ विकसित करने और दया व न्याय के महत्व को समझाने का प्रयास करती है।

कविता से शिक्षा

कविता माँ, कह एक कहानी **माँ-बेटे के संवाद के माध्यम** से करुणा, दया और न्याय का महत्व सिखाती है। यह बच्चों को नैतिकता और सही निर्णय लेने की प्रेरणा देती है। कविता प्रकृति की खूबसूरती और अच्छे मूल्यों को मिलाकर हमें बहुत कुछ सिखाती है। मैथिलीशरण गुप्त की यह रचना सरल भाषा में गहरे विचार प्रस्तुत करती है, जो बच्चों और बड़ों दोनों के लिए प्रेरणादायक है।

पाठ से

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सबसे सही **उत्तर** कौन – सा है? उनके सामने तारा (★) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक **उत्तर** भी हो सकते हैं।

प्रश्न 1.

माँ अपने बेटे को करुणा और न्याय की कहानी क्यों सुनाती है ?

- राजाओं की कहानियों से उसका मनोरंजन करने के लिए।
- उसमें सही और गलत की समझ विकसित करने के लिए।
- उसे परिवार की विरासत और पूर्वजों के बारे में बताने के लिए।
- उसे प्रकृति और जानवरों के बारे में जानकारी देने के लिए।

उत्तर:

• उसमें सही और गलत की समझ विकसित करने के लिए। (★)

प्रश्न 2. कविता में घायल पक्षी की कहानी का उपयोग किस लिए किया गया है?

- निर्दोष पक्षी के प्रति आखेटक की क्रूरता दिखाने के लिए।
- पिता की वीरता और साहस पर ध्यान दिलाने के लिए।
- करुणा और हिंसा के बीच के संघर्ष को दिखाने के लिए।
- मित्रता और निष्ठा के महत्व को उजागर करने के लिए।

उत्तर:

• करुणा और हिंसा के बीच के संघर्ष को दिखाने के लिए। (★)

प्रश्न 3. कविता के अंत तक पहुँचते-पहुँचते बच्चे को क्या समझ में आने लगता है?

- न्याय सदैव करुणा के साथ होना चाहिए।
- निर्णय लेते समय सदैव निडर रहना चाहिए।
- आखेटकों का सदैव विरोध करना चाहिए।
- जानवरों की हर स्थिति में रक्षा करनी चाहिए।

उत्तर:

• न्याय सदैव करुणा के साथ होना चाहिए। (★)

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग- अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुनें?

उत्तर:

1. मैंने यह उत्तर इसलिए चुना क्योंकि मुझे लगता है कि जब कोई किसी को मार रहा हो और कोई उसे बचा रहा हो, तो बचाने वाला अच्छा होता है। हमें यह समझना चाहिए कि किसी को बचाना हमेशा अच्छा काम होता है।
2. मैंने यह उत्तर इसलिए चुना क्योंकि जब कोई सही होता है, फिर भी उसे बहुत से सवालों और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन अगर वह डटे रहता है, सच और करुणा का साथ देता है, तो वह सचमुच बहादुर होता है।
3. मैंने यह उत्तर इसलिए चुना क्योंकि जब हमारे सामने दया और क्रूरता में से किसी एक को चुनना हो, तो हमें दया को ही चुनना चाहिए। दया से ही इंसान अच्छा बनता है और यही न्याय भी है।

मिलकर करें मिलान•

इस पाठ में आपने माँ और पुत्र के बीच की बातचीत को एक कविता के रूप में पढ़ा है। इस कविता में माँ अपने पुत्र को उसके पिता की एक कहानी सुना रही हैं। क्या आप जानते हैं कि ये माँ, पुत्र और पिता कौन हैं? अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और उन्हें पहचानकर सुमेलित कीजिए।

पात्र	ये शब्द किनके लिए आए हैं
1. बेटा	1. यशोधरा, एक राजकुमारी, सिद्धार्थ की पत्नी
2. माँ	2. सिद्धार्थ, एक राजकुमार जो बाद में गौतम बुद्ध के नाम से प्रसिद्ध हुए
3. तात (पिता)	3. सिद्धार्थ और यशोधरा के पुत्र राहुल

उत्तर:

1. – 3
2. – 1
3. – 2

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए-

(क) "कोई निरपराध को मारे,
तो क्यों अन्य उसे न उबारे?
रक्षक पर भक्षक को वारे,
न्याय दया का दानी!"

उत्तर:

अगर कोई व्यक्ति किसी निर्दोष (बिना गलती वाले) को मार रहा हो या उसे परेशान कर रहा हो, तो दूसरों को चुप नहीं रहना चाहिए। हमें उस निर्दोष की मदद करनी चाहिए और उसे बचाना चाहिए। इस कविता में कहा गया है कि जो रक्षा करता है (रक्षक), वह हमेशा उस पर हमला करने वाले (भक्षक) से बेहतर होता है। सच्चा न्याय वही है जिसमें दया भी शामिल हो। इसलिए न्याय भी उसी के पक्ष में जाएगा जो दया और रक्षा का काम करता है।

(ख) "हुआ विवाद सदय – निर्दय में,
उभय आग्रही थे स्वविषय में,
गई बात तब न्यायालय में,
सुनी सभी ने जानी।'

उत्तर:

जब सिद्धार्थ ने घायल पक्षी को बचाया, तब उसे मारने वाले आखेटक ने भी उस पर अपना अधिकार जताया। इसी बात पर दोनों में बहस हो गई। सिद्धार्थ दया की बात कर रहे थे और आखेटक कह रहा था कि वह उसका शिकार है। दोनों अपनी-अपनी बात पर अड़े रहे। फिर यह मामला न्यायालय (राजा के दरबार) में पहुँचा और सबको इस बारे में पता चला। यह चर्चा का बड़ा विषय बन गया।

सोच-विचार के लिए

(क) आपके विचार से इस कविता में कौन-सी पंक्ति सबसे महत्वपूर्ण है? आप उसे ही सबसे महत्वपूर्ण क्यों मानते हैं?

उत्तर: मेरे विचार से कविता की सबसे महत्वपूर्ण पंक्तियाँ हैं —

"कोई निरपराध को मारे,
तो क्यों अन्य उसे न उबारे?
रक्षक पर भक्षक को वारे,
न्याय दया का दानी!"

मैं इन्हें सबसे जरूरी इसलिए मानता हूँ क्योंकि ये हमें सिखाती हैं कि हमें किसी निर्दोष को बचाना चाहिए। अगर कोई उसे नुकसान पहुँचा रहा हो तो चुप नहीं रहना चाहिए। ये पंक्तियाँ दया, न्याय और करुणा की भावना को दिखाती हैं। इसमें बताया गया है कि जो बचाता है, वही सच्चा और अच्छा होता है।

(ख) आखेटक और बच्चे के पिता के बीच तर्क-वितर्क क्यों हुआ था?

उत्तर: आखेटक और बच्चे के पिता के बीच तर्क-वितर्क इसलिए हुआ क्योंकि आखेटक ने एक पक्षी को घायल कर दिया था। वह पक्षी उड़ते-उड़ते बच्चे के पिता के पास गिरा। उन्होंने उसे उठाया और उसकी जान बचाने की कोशिश की। लेकिन आखेटक ने कहा कि वह पक्षी उसका शिकार है, इसलिए वह उसे वापस चाहिए। बच्चे के पिता ने पक्षी को देने से मना कर दिया क्योंकि वे उसे बचाना चाहते थे। इसी बात पर दोनों में बहस हो गई।

(ग) माँ ने पुत्र से 'राहुल, तू निर्णय कर इसका' क्यों कहा?

उत्तर: माँ अपने पुत्र के विवेक, बुद्धि और संस्कारों की परीक्षा लेना चाहती थीं इसलिए ऐसा कहा।

(घ) यदि कहानी में आप उपवन में होते तो घायल हंस की सहायता के लिए क्या करते? आपके अनुसार न्याय कैसे किया जा सकता था ?

उत्तर: यदि मैं उपवन में होता / होती तो मैं उसे तुरंत पशु चिकित्सालय ले जाता / जाती और उसे बचाने का हर संभव प्रयास करता/करती, किसी भी कीमत पर आखेटक को नहीं देता/देती।

(ङ) कविता में माँ और बेटे के बीच बातचीत से उनके बारे में क्या-क्या पता चलता है?

उत्तर: यशोधरा एक आदर्श माँ हैं जो अपने बच्चे को दयालु संस्कारवान और न्यायप्रिय बनाना चाहती हैं। उसमें दया, धर्म, प्रेम के बीज बोकर, उसके पिता के गुणों को विकसित करना चाहती हैं। इसलिए वे उसे प्रेरक कहानी सुनाती हैं। राहुल योग्य सुपुत्र है। वह माँ की शिक्षा को पूरे विवेक और कौशल के साथ सीखता है।

(संकेत – कविता पढ़कर आपके मन में माँ-बेटे के बारे में जो चित्र बनता है, जो भाव आते हैं या जो बातें पता चलती हैं, उन्हें भी लिख सकते हैं।)

<u>अनुमान और कल्पना से</u>

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए-

(क) माँ ने अपने बेटे को कहानी सुनाते समय अंत में कहानी को स्वयं पूरा नहीं किया, बल्कि उसी से निर्णय करने के लिए कहा। यदि आप किसी को यह कहानी सुना रहे होते तो कहानी को आगे कैसे बढ़ाते?

उत्तर:

अगर मैं यह कहानी सुना रहा होता, तो मैं इसे इस तरह आगे बढ़ाता —

"न्याय पिता के पक्ष में हुआ, क्योंकि उन्होंने घायल पक्षी की जान बचाई थी। न्यायालय ने कहा कि जो दया करता है, वही असली मालिक होता है। पिता ने उस पक्षी की देखभाल की और धीरे-धीरे वह पक्षी ठीक हो गया। वह उड़ने लगा लेकिन बगीचे को छोड़कर नहीं गया। अब वह रोज़ पिता के पास आता और चहकता।"

(विद्यार्थी अपनी कल्पना और समझ के अनुसार कहानी को अलग-अलग तरीकों से आगे बढ़ा सकते हैं।)

(ख) मान लीजिए कि कहानी में हंस और तीर चलाने वाले के बीच बातचीत हो रही है। कल्पना से बताइए कि जब उसने हंस को तीर से घायल किया तो उसमें और हंस में क्या-क्या बातचीत हुई होगी? उन्होंने एक-दूसरे को क्या-क्या तर्क दिए होंगे ?

उत्तर:
आखेटक ने कहा होगा – अहा ! क्या निशाना था मेरा! प्यारे हंस, अब मैं तुम्हें अपने घर ले जाऊँगा। तुम्हारा मांस अत्यंत स्वादिष्ट होगा।
हंस ने कहा होगा – हे आखेटक ! मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था? मैं तो यहाँ अपने परिवार के साथ प्रातः बेला का आनंद लेने आया था। मुझे इस हालत में देखकर वे कितने दुखी होंगे, क्या इसका अंदाज़ा है तुमको ?
आखेटक ने रौब दिखाते हुए कहा होगा – बेकार की बातें मत करो। शिकार करना मेरा काम है। अपने निशाने पर मुझे गर्व है। मैं तो नित्य ही लक्ष्य साधकर अनेक पक्षियों का शिकार करता हूँ।

(ग) मान लीजिए कि माँ ने जो कहानी सुनाई है, आप भी उसके एक पात्र हैं। आप कौन-सा पात्र बनना चाहेंगे? और क्यों?

- तीर चलाने वाला
- पक्षी
- पक्षी को बचाने वाला व्यक्ति
- न्यायाधीश
- कोई अन्य पात्र जो आप कहानी में जोड़ना चाहें

उत्तर:
मैं घायल पक्षी को बचाने वाला व्यक्ति बनना चाहूँगा / चाहूँगी क्योंकि मेरी दृष्टि में यही श्रेष्ठ कार्य है। मनुष्य को जीवों पर दया करनी चाहिए। सभी धर्म हमें यही सिखाते हैं।
(विद्यार्थी अपनी समझ से उत्तर देंगे।)

संवाद
• इस कविता में एक माँ और उसके पुत्र का संवाद दिया गया है लेकिन कौन-सा कथन किसने कहा है, यह नहीं बताया गया है। आप कविता में दिए गए संवादों को पहचानिए कि कौन-सा कथन किसने कहा है और उसे दिए गए उचित स्थान पर लिखिए। उदाहरण के लिए, माँ और पुत्र का एक-एक कथन दिया गया है।

उत्तर:

पुत्र द्वारा कहे गए कथन	**माँ द्वारा कहे गए कथन**
1. "माँ, कह एक कहानी"।	1. "बेटा, समझ लिया क्या तूने मुझको अपनी नानी ?"
2. तू मेरी नानी की बेटी! कह माँ, कह, लेटी ही लेटी. राजा था या रानी ? माँ, कह एक कहानी।	2. तू है हठी मानधन मेरे, सुन, उपवन में बड़े सबेरे, तात भ्रमण करते थे तेरे, जहाँ, सुरभि मनमानी।"

egyanarchive

3. “जहाँ सुरभि मनमानी? हाँ, माँ, यही कहानी। “	3. वर्ण वर्ण के फूल खिले थे, झलमल कर हिम-बिंदु झिले थे, हलके झोंके हिले-मिले थे, लहराता था पानी। “
4. “लहराता था पानी? हाँ, हाँ, यही कहानी।”	4. “गाते थे खग कल कल स्वर से, सहसा एक हंस ऊपर से, गिरा, बिद्ध होकर खर-शर से, हुई पक्ष की हानी!”
5. “हुई पक्ष की हानी? करुणा- भरी कहानी!”	5. “चौंक उन्होंने उसे उठाया, नया जन्म-सा उसने पाया। इतने में आखेटक आया, लक्ष्य-सिद्धि का मानी।
6. “लक्ष्य-सिद्धि का मानी? कोमल-कठिन कहानी।”	6. “माँगा उसने आहत पक्षी, तेरे तात किंतु थे रक्षी। तब उसने, जो था खगभक्षी- हठ करने की ठानी।’
7. “हठ करने की ठानी? अब बढ़ चली कहानी।”	7. “हुआ विवाद सदय – निर्दय में, उभय आग्रही थे सविनय में, गई बात तब न्यायालय में, सुनी सभी ने जानी”।
8. “सुनी सभी ने जानी? व्यापक हुई कहानी।”	8. “राहुल, तू निर्णय कर इसका- न्याय पक्ष लेता है किसका? कह दे निर्भय, जय हो जिसका। सुन लूँ तेरी “बानी।”
9. “माँ, मेरी क्या बानी? मैं सुन रहा कहानी। कोई निरपराध को मारे, तो क्यों अन्य उसे न उबारे ?	9. “न्याय दया का दानी? तूने गुनी कहानी।

शब्द से जुड़े शब्द

• नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में प्रकृति से जुड़े शब्द कविता में से चुनकर लिखिए-

उत्तर:

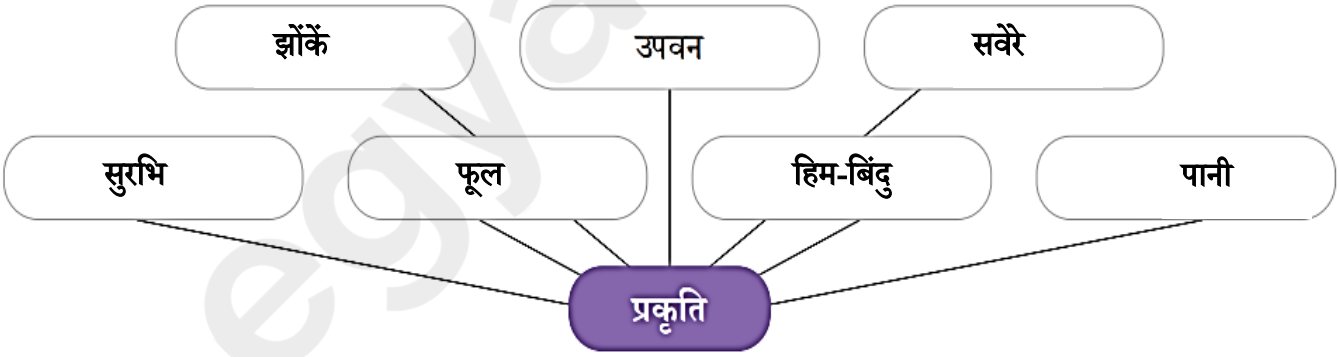

पंक्ति से पंक्ति

• नीचे स्तंभ- 1 और स्तंभ -2 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। मिलती-जुलती पंक्तियों को रेखा खींचकर मिलाइए-

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. कहती है मुझसे यह चेटी	1. दोनों ही अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए थे।
2. तू है हठी मानधन मेरे	2. तू बिना डरे कह दे कि जीत किसकी होनी चाहिए।
3. झलमल कर हिम-विंदु झिले थे	3. दयालु और निर्दयी व्यक्ति में झगड़ा हुआ।
4. गिरा, बिद्ध होकर खर-शर से	4. न्याय में दया सम्मिलित होती है, न्याय मारने वाले के स्थान पर बचाने वाले का पक्ष लेता है।
5. हुआ विवाद सदय-निर्दय में	5. हिम-कण/ओस की बूँदें झिलमिला रही थीं।
6. कह दे निर्भय, जय हो जिसका।	6. तूने कहानी को समझ लिया है।
7. तूने गुनी कहानी।	7. यह सेविका मुझसे यह कहती है।
8. उभय आग्रही थे स्वविषय में	8. तेज धार वाले तीर से घायल होकर गिर गया।
9. तब उसने, जो था खगभक्षी– हठ करने की ठानी।	9. हे मेरे पुत्र, तू बहुत हठ करता है।
10. रक्षक पर भक्षक को वारे न्याय दया का दानी!	10. तब उस तीर चलाने वाले ने हठ करने का निश्चय कर लिया।

उत्तर:

1. – 7
2. – 9
3. – 5
4. – 8
5. – 3
6. – 2
7. – 6
8. – 1
9. – 10
10. – 4

कविता की रचना

"राजा था या रानी?
राजा था या रानी?
माँ, कह एक कहानी।"

egyanarchive

आप ध्यान देंगे तो इस कविता में आपको ऐसी अनेक विशेषताएँ दिखाई देंगी (जैसे— **कविता में माँ-बेटे का संवाद दिया गया है** जिसे **'संवादात्मक शैली'** कहते हैं; **प्रकृति और कार्यों आदि का वर्णन किया गया है** जिसे **'वर्णनात्मक शैली'** कहा जाता है)।

(क) इस कविता को एक बार पुनः पढ़िए और अपने समूह में मिलकर इस कविता की विशेषताओं की सूची बनाइए। अपने समूह की सूची को कक्षा में सबके साथ साझा कीजिए।

उत्तर:

विद्यार्थी समूह में चर्चा करके सूची बनाएँ, जैसे-

1. यह कविता दया, प्रेम और न्याय की भावना सिखाती है।
2. इससे बच्चों को यह समझने में मदद मिलती है कि क्या सही है और क्या गलत।
3. इसमें जानवरों से प्यार और उनकी रक्षा का संदेश है।
4. कविता बताती है कि हमें अन्याय के खिलाफ बोलना चाहिए।
5. इसमें प्रकृति की सुंदरता का वर्णन है और भाषा बहुत सरल और सुंदर है।
6. माँ और बेटे की बातचीत से परिवार में प्यार और अपनापन दिखता है।
7. माँ कहानी सुनाकर बच्चों को अच्छाई और हिम्मत जैसे अच्छे गुण सिखाती है।
8. कहानी के ज़रिए बच्चों में अच्छे संस्कार देने की कोशिश की गई है।
9. माँ बच्चे से सवाल पूछती है जिससे पता चलता है कि बच्चा कहानी से कुछ सीख रहा है या नहीं — यह कविता की खास बात है।

(ख) नीचे इस कविता की कुछ विशेषताएँ और वे पंक्तियाँ दी गई हैं जिनमें ये विशेषताएँ दिखाई देती हैं। विशेषताओं का सही पंक्तियों से मिलान कीजिए। आप कविता की पंक्तियों में **एक से अधिक विशेषताएँ भी ढूँढ़ सकते हैं।**

कविता की विशेषताएँ	कविता की पंक्तियाँ
1. संवाद दिए गए हैं।	1. हुआ विवाद सदय-निर्दय में
2. पंक्ति के अंतिम शब्द की ध्वनि आपस में मिलती-जुलती है।	2. हुई पक्ष की हानी।
3. कुछ शब्द दो बार और साथ-साथ आए हैं।	3. बेटा, समझ लिया क्या तूने मुझको अपनी नानी? कहती है मुझसे यह चेटी, तू मेरी नानी की बेटी!
4. कुछ विपरीतार्थक शब्द साथ-साथ आए हैं।	4. तू है हठी मानधन मेरे, सुन, उपवन में बड़े सबेरे
5. प्रकृति का वर्णन किया गया है।	5. कोमल-कठिन कहानी।
6. एक ही वर्ण से शुरू होने वाले एक से अधिक शब्द एक ही पंक्ति में आए हैं।	6. वर्ण वर्ण के फूल खिले थे, झलमल कर हिम-विंदु झिले थे, हलके झोंके हिले-मिले थे, लहराता था पानी।
7. प्रश्न-उत्तर दिए गए हैं।	
8. शब्द की वर्तनी बदलकर उपयोग किया गया है।	

उत्तर:

1. – 3, 4

2. – 3, 4, 6

3. – 6

4. – 1, 5

5. – 6

6. – 5

7. – 3

8. – 2, 4

रूप बदलकर

"सुन, उपवन में बड़े सबेरे,
तात भ्रमण करते थे तेरे"

कविता की इन पंक्तियों को निम्न प्रकार से बदलकर लिखा जा सकता है—

"सुनो! आपके पिता एक उपवन में बहुत सवेरे भ्रमण किया करते थे....

अब आप भी पाठ के किसी एक पद को एक अनुच्छेद के रूप में लिखिए।

उत्तर:

पद –

"चौंक उन्होंने उसे उठाया,
नया जन्म-सा उसने पाया।

अनुच्छेद –

उन्होंने चौंककर घायल पक्षी को उठाया।
पक्षी ने मानो नया जन्म – सा पा लिया।

कविता में विराम चिह्न

(क) नीचे कविता का एक अंश बिना विराम चिह्नों के दिया गया है। इसमें उपयुक्त स्थानों पर विराम चिह्न लगाइए-

उत्तर:

"राहुल, तू निर्णय कर इसका –
न्याय पक्ष लेता है किसका?
कह दे निर्भय, जय हो जिसका।
सुन लूँ तेरी बानी।"
"माँ, मेरी क्या बानी?
मैं सुन रहा कहानी।
कोई निरपराध को मारे,

egyanarchive

तो क्यों अन्य उसे न उबारे ?
रक्षक पर भक्षक को वारे,
न्याय दया का दानी!"
"न्याय दया का दानी ?
तूने गुनी कहानी।

(ख) अब विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए कविता को अपने समूह में सुनाइए।
उत्तर: कक्षा में विद्यार्थी विभिन्न समूह बनाकर, इस कविता में आए सभी विराम चिह्नों को ध्यान में रखकर समूह में अपनी प्रस्तुति देंगे।

पाठ से आगे

आपकी बात

प्रश्न - आप या आपके परिजन भ्रमण के लिए कहाँ-कहाँ जाते हैं ? और क्यों ?
उत्तर: विद्यार्थी स्वयं बताएँ; जैसे- पार्क, मॉल, दादा-दादी के घर, किसी पर्यटन स्थल पर आदि।

(ख) इस पाठ में एक माँ अपने पुत्र को कहानी सुना रही है। आप किस-किस से कहानी सुनते हैं या थे? आप किसको और कौन- सी कहानी सुनाते हैं?
उत्तर: विद्यार्थी स्वयं बताएँ; जैसे- दादी, भैया, मम्मी, दादी, नानी से कहानी सुनते थे। अपने मित्रों, भाई-बहनों को विज्ञान से जुड़ी या सौर मंडल की कहानी या पौराणिक कहानी।

(ग) माँ ने कहानी सुनाने के बीच में एक प्रश्न पूछ लिया था। क्या कहानी सुनाने के बीच में प्रश्न पूछना सही है? क्यों ?
उत्तर: मेरे अनुसार कहानी सुनाने के बीच प्रश्न पूछना सही है क्योंकि इससे पता चलता है कि सुनने वाला कहानी ध्यान से सुन और समझ रहा है या नहीं।

(घ) कविता में बालक अपनी माँ से बार-बार 'वही' कहानी सुनने की हठ करता है। क्या आपका भी कभी कोई कहानी बार-बार सुनने का मन करता है? अगर हाँ, तो वह कौन – सी कहानी है और क्यों?
उत्तर: विद्यार्थी स्वयं बताएँगे कि कौन-सी कहानी वे बार-बार सुनना चाहते हैं। (कक्षा में छात्रों से पूछें।)

निर्णय करें

नीचे कुछ स्थितियाँ दी गई हैं। बताइए कि इन स्थितियों में आप क्या करेंगे?
प्रश्न 1. खेलते समय आप देखते हैं कि एक मित्र ने भूल से एक नियम तोड़ा है।
उत्तर: मित्र को उसकी भूल का एहसास कराते हुए नियम की जानकारी देंगे। (कक्षा में छात्रों से पूछें।)

प्रश्न 2. एक सहपाठी को कक्षा में दूसरों द्वारा चिढ़ाया जा रहा है।

उत्तर: सहपाठी को प्रतिक्रिया न देने को कहेंगे और दूसरों को ऐसा करने से रोकने का पूरा प्रयास करेंगे। (कक्षा में छात्रों से पूछें।)

प्रश्न 3. एक समूह परियोजना के बीच एक सहपाठी अपने भाग का कार्य नहीं कर रहा है।

उत्तर: उस सहपाठी से कार्य न करने का कारण जानने का प्रयास करेंगे और समस्या का निवारण करने में उसकी सहायता करेंगे जिससे वह अपने भाग / हिस्से का कार्य कर सके। (कक्षा में छात्रों से पूछें।)

प्रश्न 4. आपके दो मित्रों के बीच एक छोटी-सी बात पर तर्क-वितर्क हो रहा है।

उत्तर: दोनों मित्रों से उस बात को वहीं समाप्त करने का आग्रह करेंगे और दूसरी बातों या कार्यों की ओर ध्यान बँटाने का प्रयास करेंगे। (कक्षा में छात्रों से पूछें।)

प्रश्न 5. एक सहपाठी को कुछ ऐसा करने के लिए अनुचित रूप से दंडित किया जा रहा है जिसे उसने नहीं किया।

उत्तर: यथासंभव प्रयास करेंगे कि अध्यापक को सच्चाई से अवगत कराकर उसे दंड मिलने से बचाया जा सके। (कक्षा में छात्रों से पूछें।)

प्रश्न 6. एक सहपाठी प्रतियोगिता में हार जाने पर उदास है।

उत्तर: अपने सहपाठी को पुनः अगली प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु प्रेरित करेंगे और अधिक मेहनत करने का सुझाव देंगे। (कक्षा में छात्रों से पूछें।)

प्रश्न 7. कक्षा में चर्चा के बीच एक सहपाठी संकोच कर रहा है और बोलने का अवसर नहीं पा रहा है।

उत्तर: उसे मैत्रीपूर्ण अनौपचारिक वातावरण प्रदान करने के साथ ही प्रयास करेंगे कि उसे भी यथासंभव बोलने, भाग लेने का अवसर प्राप्त हो। (कक्षा में छात्रों से पूछें।)

प्रश्न 8. सहपाठी किसी विषय में संघर्ष कर रहा है और आपसे सहायता माँगता है।

उत्तर: उसके संघर्ष में सहभागी बनने के साथ ही यथासंभव सहायता करने का प्रयास करेंगे, चाहे वह किसी भी स्तर पर हो। (कक्षा में छात्रों से पूछें।)

सुनी कहानी

• हमारे देश और विश्व में अनेक कहानियाँ लोग एक-दूसरे को सैकड़ों-हजारों सालों से सुनते-सुनाते रहे हैं। इन कहानियों को लोककथाएँ कहते हैं। अपने घर या आस-पास सुनी-सुनाई जाने वाली किसी लोककथा को लिखकर कक्षा में सुनाइए। आपने जिस भाषा में लोककथा सुनी है या जिस भाषा में आप लोककथा लिखना चाहें, लिख सकते हैं। कक्षा के सभी समूहों द्वारा एकत्रित लोककथाओं को जोड़कर एक पुस्तिका बनाइए और कक्षा के पुस्तकालय में उसे सम्मिलित कीजिए।

उत्तर: विद्यार्थी समूह में मिलकर यह कार्य स्वयं करेंगे।

आज की पहेली

• नीचे कुछ पहेलियाँ दी गई हैं। इनके **उत्तर आपको कविता में से मिल जाएंगे**। पहेलियाँ बूझिए-

उत्तर:

पहेली – 1 – **माँ**

पहेली – 2 – **पक्षी**

पहेली – 3 – **सुरभि**

egyanarchive